सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 280 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 18 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

तकनीक बस एक साधन है। बच्चों को एक साथ काम करने और मोटिवेट करने के लिए, शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण हैं।
-बिल गेट्स

पर्थ में बुमराह संभालेंगे भारतीय टीम... 7
चाचा-भतीजे के हाथ में होगी... 3
वोटिंग को कम कराने की साजिश... 2

घर जल रहा है, पीएम विदेश यात्रा में व्यस्त!

जलते मणिपुर के बीच अलग होना शुरू हो गये एनडीए के घटक दल

मणिपुर में हालात बेकाबू, बड़े-बड़े नेताओं के घर व दफ्तर तक फूंके गए

बीजेपी-कांग्रेस दफ्तर में लूट, सुरक्षा बलों की फायरिंग में 1 की मौत

मणिपुर के घाटी इलाकों में विरोध प्रदर्शन और हिंसा जारी रहने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने जिरीबाम जिले में गोलीबारी की, जिसमें के अथौबा नामक 20 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। भीड़ ने उसी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के स्थानीय कार्यालयों में तोड़फोड़ की और फर्नीचर और अन्य संपत्ति को आग लगा दी। यह हिंसा जिरीबाम पुलिस स्टेशन के 500 मीटर के दायरे में हुई। जिले में तनाव काफी अधिक है और अशांति से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

» एनपीपी ने भाजपा के नेतृत्व वाली मणिपुर सरकार से समर्थन वापस लिया

» स्कूलों तथा कॉलेजों में छुट्टी घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नदी में तैरती लाशें, धू-धू कर जलते मकान, सरेराह किडनैपिंग के बाद फिलहाल सेना के सायरन बजाते वाहन और गाहे-बगाहे गोलियों की आवाज के बीच इम्फाल घाटी के इम्फाल पूर्व, पश्चिम, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग जिलों में अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया। लमलाई गांव और चालौ गांव कि महिलाएं सड़क पर उतर कर प्रदर्शन कर रही है।

पहले देश के बारे में सोंचे पीएम : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मोदी कल तक यही थे। आज वह विदेश में है। मणिपुर जल रहा है, लोग मर रहे है, आदिवासी महिलाओं का अपमान हो रहा है और महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है, लेकिन मोदी कभी मणिपुर नही गए। वह विदेश दौरे पर है। उन्होने कहा, आज वह एक देश का दौरा भी कर रहे है। मै उनसे कहना चाहता हूं कि पहले अपने घर का ख्याल रखे। पहले देश को मजबूत बनाएं। आप बाद मे कही भी जा सकते है। उन्होने भारत के नजरिए से प्रधानमंत्री की डोनाल्ड ट्रंप के साथ और रूस व चीन के राष्ट्रपतियो के साथ की गाई बैठको के परिणाम पर भी सवाल उठाया।

गृहमंत्रालय ने जरूरी कदम उठाने के दिए निर्देश

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के लिए आज अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की। बैठक में गृह मंत्रालय के पूर्वोत्तर प्रभाग के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय गृह सचिव, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और असम राइफल्स के अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पहले गृहमंत्रालय ने जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिये हैं। गृह मंत्रालय ने राज्य में सभी सुरक्षा बलों को शांति बहाल करने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

विद्यालयों तथा कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी थी गयी है। सरकार ने छह जिलों में इंटरनेट सस्पेंड कर दिया है। हालात इतने बेकाबू हो गए हैं बड़े-बड़े नेताओं के घर व दफ्तर तक फूंके जा रह हैं। इन सबके बीच देश के पीएम नरेन्द्र मोदी विदेश की यात्रा में मस्त हैं। इसको लेकर सियासत भी गर्म है। विपक्ष ने भाजपा पर हमला जारी करते हुए कहा है प्रधानमंत्री हर जगह जा रहे हैं पर मणिपुर जाने का उनके पास समय नहीं है। विपक्षी नेताओं ने कहा कि देश के भाजपा शासित राज्यों में आग लगी है पर मोदी जी एक ट्विट तक नहीं कर रहे हैं। उधर मणिपुर में सरकार में शामिल एनडीए घटक नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने बीजेपी सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। एनएनपी ने सीएम विरेन सिंह पर राज्य में चल रहे संकट का समाधान नहीं ढूंढ पाने का आरोप लगाया।

अरबपतियों और गरीबों के बीच चुनाव : राहुल

» पीएम मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं' के नारे पर नेता प्रतिपक्ष का बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक हैं तो सेफ हैं के नारे पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बड़ा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र का चुनाव विचारधाराओं का चुनाव है। यह एक-दो अरबपतियों और गरीबों के बीच का चुनाव है। अरबपति चाहते हैं कि मुंबई की जमीन उनके हाथ में जाए।

एक लाख करोड़ रुपये एक अरबपति को दिए जाने की योजना है। हमारी सोच है कि महाराष्ट्र, महाराष्ट्र के किसानों, गरीबों, बेरोजगारों, युवाओं को मदद की जरूरत है। हम हर महिला के बैंक खाते में 3000 रुपये जमा करेंगे, महिलाओं और किसानों के लिए फ्री बस यात्रा होगी, तीन लाख रुपये तक के कर्ज माफ किए जाएंगे, सोयाबीन के लिए 7,000 रुपये प्रति क्विंटल का एलान हमने किया है। जाति जनगणना जो हम तेलंगाना, कर्नाटक में करवा रहे हैं, हम इसे महाराष्ट्र में भी करवाएंगे।

तिजोरी सबके सामने रखकर नेता प्रतिपक्ष ने रखी अपनी बात

उन्होंने सोमवार को धारावी परियोजना को लेकर पीएम मोदी और महाराष्ट्र सरकार को जमकर घेरा। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन राहुल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने एक तिजोरी सबके सामने रखी। उस पर लिखा था, एक हैं तो सेफ हैं। उन्होंने तिजोरी के अंदर से दो पोस्टर निकाले। इसमें से एक पर उद्योगपति और पीएम मोदी की तस्वीर थी और दूसरे पर धारावी परियोजना की। इसे दिखाते हुए राहुल ने कहा कि यही है- पीएम मोदी का एक हैं तो सेफ हैं।

छोटे और मध्यम उद्योग का प्रतीक है धारावी

उन्होंने कहा कि मैंने आपको एक हैं तो सेफ हैं के नारे को अच्छे समझाया है। एक कौन हैं- वह नरेंद्र मोदी जी हैं, अमित शाह जी है। सेफ हैं तो कौन हैं- उद्योगपति सेफ हैं। कष्ट किसको होगा तो धारावी की जनता को होगा। नुकसान किसको होगा तो धारावी की जनता को होगा। हिंदुस्तान की छोटी और मध्यम उद्योग, जिसका प्रतीक धारावी है, उसे एक व्यक्ति के लिए खत्म किया जा रहा है।

सेफ शब्द के दो अर्थ हैं- सुरक्षित और खजाना : प्रियंका गांधी

चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए नारे एक हैं तो सेफ हैं पर प्रियंका ने कहा कि सेफ शब्द के दो अर्थ हैं-सुरक्षित और खजाना। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन इस देश में सही मायने में सुरक्षित सिर्फ उद्योग पति ही हैं। पूरा देश जानता है कि उद्योगपति ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी सरकारी खजाने तक पहुंच है, जबकि आम नागरिक संघर्ष कर रहे हैं।

वोटिंग को कम कराने की साजिश रच रही है भाजपा : अखिलेश यादव

बोले- जनता का कानून-व्यवस्था से एतबार ही उठा, सपा की मांग- चुनाव आयोग बीजेपी के षड़यंत्र को करे नाकाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कम मतदान करवाने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा चुनाव आयोग वोटिंग कम करवाने की भाजपा की साजिश को नाकाम करे। उन्होंने एक्स के माध्यम से कहा कि भाजपा राज में चुनाव को लेकर इतनी धांधली हो रही है कि जनता का कानून-व्यवस्था से एतबार ही उठ गया है। इसलिए जनता का विश्वास जीतने के लिए सुरक्षा बलों की परेड कराई जा रही है।

ये मन से डर निकालने की नहीं, मन में डर डालने की प्रक्रिया ज्यादा लग रही है। ताकि, सत्ताधारी दल को चुनाव में बल मिले और जनता कम-से-कम संख्या में वोट डालने के लिए बाहर निकले। इस बार जनता अपने मोबाइल कैमरों के साथ तैनात रहेगी और गड़बड़ी करने वाले किसी भी स्तर के व्यक्ति को कोर्ट तक ले जाकर दंड दिलवाकर ही मानेगी। जनता ने 'मतदान भी, सावधान भी' का नारा स्वीकार कर लिया है और अपने वोट की रक्षा के लिए सब कुछ करने को तैयार है।

लोस चुनाव में हार के बाद उड़ी बीजेपी की नींद

पूर्व सीएम ने जनता ने लोकसभा चुनाव मे इंडिया गठबंधन को रिकॉर्ड मतो से जिताकर भाजपा को उत्तर प्रदेश मे नम्बर दो की पार्टी बना दिया। जबसे भाजपा लोकसभा चुनाव हारी है, इनके नेताओ को नींद नही आ रही है। प्रदेश मे नौ सीट पर हो रहा उपचुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। यादव ने कहा कि जबसे सपा ने पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा दिया है, मुख्यमंत्री घबराए हुए है, क्योंकि भाजपा सरकार ने पीडीए को कुछ नही दिया और वे पीडीए से नफ्रत करते है।

अधिकारियों को आगे कर चुनाव लड़ना चाहते हैं सीएम

सपा प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री अब अधिकारियो को आगे कर चुनाव लड़ना चाहते है लेकिन इस बार जनता और समाजवादी पार्टी तैयार है तथा जनता भाजपा को हराएगी। यादव ने कहा कि यह उपचुनाव 2027 के विधानसभा चुनाव का संदेश है। उन्होने दावा किया, भाजपा जनता को डराकर, दबाव डालकर वोट लेना चाहती है। भाजपा जनता का अधिकार छीनना चाहती है। वोट देने का अधिकार छीनकर भाजपा बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर के बनाए संविधान को कमजोर कर रही है। इस वोट के अधिकार की वजह से लोकतंत्र है।

भाजपा की हार के बाद छिन जाएगी योगी की कुर्सी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पराजय के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुर्सी छीन ली जाएगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री समाज मे नफ्रत का बारूद बिछा रहे है और भेदभाव कर रहे है तथा दूसरी तरफ उन्ही की पार्टी के लोग उन्हे हटाने के लिए उनकी कुर्सी तक सुरंग खोद रहे है। यादव ने करहेरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अलग अलग जनसभाओ को सम्बोधित कर सपा और इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन की प्रत्याशी शोभावती वर्मा को भारी मतो से जिताने की अपील की।

समर्थक मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने के लिए सपा ने बनाई रणनीति

सपा ने उप चुनाव में अपने समर्थक मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने के लिए कमर कस ली है। हर बूथ पर सपा की पीडीए टीम सक्रिय रहेगी। सपा सूत्रों का कहना है कि अगर कहीं भी मतदाताओं को रोकने की घटना सामने आएगी, तो तत्काल न सिर्फ विरोध किया जाएगा, बल्कि उस घटना का वीडियो भी बनाया जाएगा। इसकी सूचना तत्काल सपा हाईकमान को भी दी जाएगी। इसके लिए सपा प्रदेश मुख्यालय पर वार रूम भी स्थापित किया गया है।

भाजपा बताए झारखंड में सीएम का चेहरा कौन : तेजस्वी यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बोकारो (झारखंड)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा से पूछा कि झारखंड में उसका मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार स्पष्ट है। तेजस्वी ने धनबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लोगों से कहा कि वे भाजपा से पूछें कि यदि वह झारखंड में सत्ता में आती है, तो उसका मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, क्योंकि इंडिया गठबंधन के पास अपने मुख्यमंत्री उम्मीदवार के बारे में स्पष्टता है।

इससे पहले दिन में, तेजस्वी ने बोकारो में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, केंद्र में भाजपा नीत सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ रही है। भाजपा आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि को रोकने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में नाकाम रही है।

असल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही बीजेपी

राजद नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी राज्यों में गैर-भाजपा सरकारों को सत्ता से बाहर करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। तेजस्वी ने कहा, उन्होंने (भाजपा) झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को जेल भेजा और मुझे भी जेल भेजने की कोशिश की। हम जेल जाने के नाम से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, वे (भाजपा) असल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हिंदू और मुस्लिम के नाम पर नफरत फैला रहे हैं।

जाति और धर्म की राजनीति कर रहा महायुति गठबंधन : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- भाजपा व कांग्रेस को नकारें लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर जाति और धर्म को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा उम्मीदवारों के लिए पुणे में प्रचार के दौरान यह टिप्पणी की।

मायावती ने एक रैली को संबोधित करते हुए लोगों से आगामी चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को खारिज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आने पर हर समुदाय को न्याय देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि महायुति सरकार अपने फायदे के लिए आरक्षण कार्ड भी खेलेगी। बसपा प्रमुख ने दावा किया, सत्ताधारी पार्टी राज्य में चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड का इस्तेमाल करेगी।

जम्मू-कश्मीर में शासन अस्पष्ट : कर्रा

» बोले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष- केंद्र जल्द राज्य को सौंपे शक्तियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने केंद्र शासित प्रदेश में शासन को अस्पष्ट करार देते हुए दावा किया कि यह एक विडंबना है कि सरकार गठन के एक महीने बाद भी शासन की शर्तें परिभाषित नहीं हैं और सत्ता में बैठे लोग अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को लेकर स्पष्ट नहीं हैं।

कर्रा ने कहा कि कांग्रेस जम्मू संभाग में हाल के विधानसभा चुनाव में अपनी हार के

पीछे के कारणों का विश्लेषण करने के लिए एक बड़ी पहल कर रही है। उन्होंने बताया कि इसके तहत पार्टी ने क्षेत्र के 10 जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करने और एक महीने के भीतर अपने रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक तथ्यान्वेषण समिति का गठन किया है। उन्होंने ने कहा, यह (दोहरी सत्ता व्यवस्था) कोई स्थाई स्थिति नहीं है। जम्मू-कश्मीर पहली बार इस तरह के परिदृश्य का सामना कर रहा है और यह एक संक्रमणकालीन चरण है। जिन लोगों को शक्तियां सौंपनी हैं और जिनसे उनका प्रयोग करने की अपेक्षा की जाती है, वे अपनी भूमिकाओं को लेकर समान रूप से अनिश्चित हैं। मुझे लगता है कि यह मुद्दा पहले ही संवैधानिक विशेषज्ञों या यहां तक कि (केंद्रीय) गृह मंत्रालय तक पहुंच चुका होगा। कांग्रेस नेता ने उम्मीद जताते हुए कहा कि स्थिति जल्द ही सुलझ जाएगी।

गुजरात स्थानांतरित हो रही हैं नौकरियां : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस नेता बोलीं - महिलाओं को बेहतर जीवन के लिए वोट देना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सत्तारूढ़ भाजपा की नीतियों की आलोचना की और दावा किया कि कुछ बड़ी परियोजनाओं के गुजरात में स्थानांतरित होने के कारण महाराष्ट्र में नौकरियां खत्म हो गई हैं।

बीस नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने और समाज का ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। राज्य की महायुति सरकार की प्रमुख योजना 'लाडकी बहिन' को लेकर उस पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि महिलाओं को बेहतर जीवन केह्यह्य लिए वोट देना चाहिए, न कि इसलिए कि उन्हें प्रति माह 1,500 रुपये मिल रहे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) सत्ता में आता है, तो वह सोयाबीन की फसल के लिए किसानों को 7,000 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी देगा।

चाचा-भतीजे के हाथ में होगी महाराष्ट्र की पावर!

पूर्व सीएम बोले- बेटी को अभी संसद में दिलचस्पी

शरद व अजित पवार के बयान मचा रहे घमासान

- डिप्टी सीएम अजित ने की पूर्व कांग्रेसी सीएम की तारीफ
- महायुति व महाविकास अघाड़ी में तीखे वार-पलट
- राजनीतिक फायदे के लिए महायुति लाईं योजनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों के बीच सियासी हलचल भी तेज होती जा रही है। महायुति व महाविकास अघाड़ी के नेताओं के बीच वार - पलटवार भी बढ़ती जा रही है। जहां भाजपा नीत गठबंधन विपक्षी नेताओं के निशाने पर है तो उसे अपने सहयोगियों ही नहीं अपनी ही पार्टी के साथियों से भी कई मुद्दों से असहयोग मिल रहा है। बंटोगे-कटोगे के बयान पर जहां पंकजा मुंडे व अशोक चव्हाण ने किनारा किया है तो अजित पवार ने भी नकार दिया है। इन सबके बीच एकबार फिर पवार परिवार के चाचा व भतीजा ने बयान देकर अपने-अपने धड़े की नींद उड़ा दी है।

एनसीपी अजित गुट क अध्यक्ष अजित पवार कांग्रेस के दिवंगत नेता विलासराव देशमुख को सबसे बढ़िया सीएम बताकर भाजपा को बेचैन कर दिया हैं वहीं शरद पवार ने सुप्रिया सुले को अगामी सीएम बनने की बात पर कुछ नहीं कहा पर अजित के बारे बयान देकर खलबली मचा दी है। दरअसल सुप्रिया सुले मुख्यमंत्री बनेगी या नहीं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, सुप्रिया सुले की दिलचस्पी संसद में है, वह देश की सबसे अच्छी सांसदों में से एक हैं, लोकसभा में अगर किसी कानून या बिल पर चर्चा होती है तो सुप्रिया सुले को इसमें शामिल होना अच्छा लगता है। हमने अजित को एमएलसी दी एमएलए बनाया, एक बार, दो बार नहीं तो चार बार उप मुख्यमंत्री बनाया पार्टी की कमान दी। सुप्रिया तो इतने साल सांसद बनकर ही काम करती रहीं। महाराष्ट्र की राजनीति में कभी शामिल नहीं हुईं तो ये कहना गलत है कि सुप्रिया को मुख्यमंत्री बनाने की मेरी मंशा थी या है। एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार ने महायुति पर निशाना साधते हुए कहा, लोकसभा चुनाव में उन्हें लगा उनके गठबंधन को भारी बहुमत मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ, अब उन्हें लाड़ली बहन लाना पड़ा, उन्होंने राजनीतिक फायदे के लिए ये सब किया। उन्होंने कहा, लाडली बहन स्कीम मतलब एक हाथ से देना और दूसरे हाथ से लेना है. महंगाई बढ़ गई है, जनता त्रस्त है फिर चाहे ये जितने पैसे दें जनता परिवर्तन चाहती है, इसलिए मुझे लगता है इलेक्शन में कुछ बदलेगा. महिलाओं की बात करने वाले ये नहीं बताते की पिछले दो साल में 63 हजार महिला अत्याचार के मामले दर्ज हुए हैं. हर एक घंटे में पांच महिलाओं पर अत्याचार होता है. किसान आत्महत्या महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा है। वहीं इस बार पीएम मोदी द्वारा उनपर टिप्पणी न किए जाने पर शरद पवार ने कहा, यह मेरे लिए चिंता का विषय है कि पीएम मोदी ने इस बार मुझ पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं, पिछले चुनाव में जब मोदी आए और मेरी आलोचना की तो हमारी सीटें बढ़ गईं, इसलिए मैं उन्हें निमंत्रण देता हूं कि मोदी जी आप महाराष्ट्र आएं और मुझपर टिप्पणी करें, ताकि हमारी सीटें बढ़ सकें।

लोगों को मोदी का राहुल की आलोचना करना पसंद नहीं

शरद पवार ने कहा कि मुझे लगाता है कि उनके किसी सलाहकार ने उनसे कहा होगा कि महाराष्ट्र में शरद पवार पर टिप्पणी न करें, लेकिन राहुल गांधी और अन्य नेताओं पर वो रोज नए आरोप लगा रहे है,जैसे प्रधानमंत्री के पद का हमें सम्मान करना चाहिए इसी तरह उन्हें विपक्ष के नेता के पद का सम्मान करना चाहिए। मोदी आते हैं और राहुल गांधी की आलोचना करते हैं, लोगों को ये पसंद नहीं आता। शरद पवार ने देवेंद्र फडणवीस के बयानों को लेकर कहा, देवेंद्र फडणवीस क्यों ऐसा बोल रहे हैं ये मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे अच्छे से याद है कि बैठक अडानी के घर हुई थी लेकिन उस बैठक में अडानी मौजूद नहीं थे. हालांकि बैठक में कौन-कौन था ये सबको पता है और बैठक में क्या हुआ ये मैं बता चुका हूं। इसके अलावा उन्होंने 2014 में बीजेपी को समर्थन देने पर कहा, हमने बिना मांगे समर्थन नहीं दिया था, शिवसेना बीजेपी के साथ थी। हम यह देखना चाहते थे कि क्या शिवसेना बीजेपी से अलग हो सकती है? क्या हम उन्हें अलग कर सकते हैं? इसलिए उस समय मैंने राजनीतिक बयान दिया था। समर्थन देकर मदद नहीं की थी। उसके बाद फिर वही हुआ जो हम चाहते थे, 2019 में सरकार गिरी और शिवसेना हमारे साथ आई और शिवसेना के नेतृत्व में हमारी सरकार बनी और उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने, शरद पवार ने बीजेपी के बटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे पर कहा, लाड़ली बहन योजना ज्यादा कारगर साबित नहीं होती दिखी तो उन्होंने बंटेंगे तो कटेंगे ला दिया।

महायुति लगाएगी जीत की हैट्रिक : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार आगामी विधानसभा चुनावों में हैट्रिक जीत का लक्ष्य लेकर चल रही है और तीसरे दौर के चुनाव में निर्णायक बहुमत हासिल करने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री शिंदे ने दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों में हैट्रिक जीत हासिल करने के लिए तैयार है, उन्होंने इसकी तुलना क्रिकेट मैच से की जहां लक्ष्य साफ, शक्तिशाली जीत की ओर होता है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि हम दो बार चुने गए हैं और अब हैट्रिक की बारी है। हमें प्रतिद्वंद्वी का विकेट लेना है और इसे अच्छे बहुमत से लेना है। शिंदे ने कहा, यह तो सिर्फ ट्रेलर था, पिक्चर अभी बाकी है, इंतजार कीजिए और देखिए क्या होता है, हमें तीसरी बार हैट्रिक करनी है और सीधा सिक्सर लगाना है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रभावी शासन के लिए जनता के साथ सीधे संवाद की आवश्यकता होती है और नेताओं से लोगों की चिंताओं को

व्यक्तिगत रूप से सुनने का आग्रह किया। शिंदे ने जमीनी स्तर पर जुड़ाव और जनता के साथ सीधे संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा, हमें आमने-सामने बैठकें करनी होंगी। हमें लोगों को सुनना होगा और उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा। हम जमीनी स्तर के कार्यकर्ता हैं। सीएम शिंदे ने भगवा गठबंधन, महायुति के भीतर एकता और उनके उम्मीदवारों की मजबूत उपस्थिति पर प्रकाश डाला, यह सुझाव देते हुए कि इस संयोजन ने पिछले चुनावों में उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शिंदे ने कहा, हर जगह भगवा माहौल है, हर जगह महायुति है। मैं अभी सभी राज्यों का दौरा कर रहा हूं। सभी में उत्साह है और महायुति की जीत के लिए 20 नवंबर आ रहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने भी लाडली बहन योजना की विपक्षी आलोचना का जवाब देते हुए उन दावों को खारिज कर दिया कि यह पहल महिलाओं को खरीदने का एक प्रयास था। लाडली बहन योजना के संबंध में शिंदे ने बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं को सशक्त बनाने के बारे में है, विशेष रूप से यह सुनिश्चित करके कि उन्हें आधार-आधारित हस्तांतरण के माध्यम से उनका उचित वित्तीय समर्थन प्राप्त हो।

केवल नौटंकी कर रहा चुनाव आयोग : राउत

शिवसेना यूबीटी ग्रुप के सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के सीनियर नेता अमित शाह पर बड़ा हमला किया है।उन्होंने बैग चेकिंग वाले मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, उद्धव ठाकरे के आवाज उठाने के बाद उनके बैग और हेलीकॉप्टर चेक होने लगे हैं, वह तो उद्धव जी ने जब आवाज उठाया तब चुनाव आयोग को यह सब नौटंकी करनी पड़ रही है, लेकिन पैसे का लेनदेन जोर से चल रहा है यह सब खेल पुलिस की चौकीदारी में हो रहा है. यही तो बात है। संजय राउत ने आगे कहा, चुनाव में सब मुद्दे खत्म हो गए हैं. विकास पर बात करिए... टाटा एयर बस का जो प्रोजेक्ट है, वो महाराष्ट्र से वह गुजरात में कैसे चला गया उस बारे में बात करिए। अमित शाह जी 10000 लोगों को जहां रोजगार मिलने वाला था और 30000 करोड़ का निवेश होने वाला था, अब उसके बारे में महाराष्ट्र को बताइए। यह सब सेंट्रल का विषय है यह राज्य का विषय नहीं है।

महाराष्ट्र की जनता का करोड़ों रुपया सरकार ने हड़पा : राहुल गांधी

महाराष्ट्र के अमरावती में चुनाव सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता का करोड़ों रुपया सरकार ने हड़प लिया। आज हर व्यक्ति जानता है कि वह सरकार क्यों चुराई गई थी। उन्होने कहा कि ऐसा धारावी के कारण किया गया क्योंकि बीजेपी के लोग, नरेंद्र मोदी, अमित शाह धारावी की जमीन, महाराष्ट्र के गरीबों की जमीन, 1 लाख करोड़ रुपये की जमीन अपने दोस्त को देना चाहते थे, इसीलिए सरकार आपके हाथ से महाराष्ट्र छीन लिया गया है। राहुल ने कहा कि देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ इंडिया गठबंधन और दूसरी तरफ बीजेपी-आरएसएस है। हम कहते हैं कि देश संविधान से चलना चाहिए और नरेंद्र मोदी कहते हैं कि संविधान एक खोखली किताब है, इसमें कुछ नहीं लिखा है। ये किताब बीजेपी-आरएसएस के लोगों के लिए खोखली होगी, लेकिन हमारे लिए ये इस देश का डीएनए है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जैसे मैंने अभी कहा कि शायद नरेंद्र मोदी का मेमोरी लॉस हो गया है। लेकिन मीडिया कहेगी कि उनकी मेमोरी बहुत जबरदस्त है। मीडिया बताएगी कि नरेंद्र मोदी कोई भी बात सुन लेते हैं तो 70 साल तक नहीं भूलते। फिर ये भी बताएंगे कि जब वो छोटे थे, तो वो झील में मगरमच्छ से लड़े थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि मेरी बहन मुझे बता रही थी कि उसने मोदी जी का भाषण सुना है। और उस भाषण में हम जो कहते हैं, वही बात आजकल मोदी जी भी कह रहे हैं। मुझे नहीं पता, शायद वह अपनी याददाश्त खो चुके है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति भूल जाते थे, उन्हें पीछे से याद दिलाना पड़ता था। यूक्रेन के राष्ट्रपति आए और अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन आए हैं। वह अपनी याददाश्त खो चुके हैं, उसी तरह हमारे प्रधानमंत्री भी अपनी याददाश्त खो रहे हैं।

धार्मिक रंग देना बीजेपी का तरीका

वोट जिहाद को लेकर उन्होंने कहा, उसकी शुरुआत हमने नहीं देवेंद्र फडणवीस ने की है। सत्ता पक्ष को ये बात समझ आ गई है कि महाराष्ट्र की जनता उन्हें समर्थन नहीं देने वाली है, इसलिए फडणवीस ने वोट जिहाद करके इसे धार्मिक रंग देना शुरू किया, कुछ विधानसभा क्षेत्र में अगर हिंदू ज्यादा हैं, तो वो उन्हें वोट करते हैं. कुछ एक इलाकों में मुस्लिम ज्यादा हैं, तो मुस्लमान अगर हमें वोट कर रहे हैं, तो उसे वोट जिहाद कहना सही नहीं है। अजित पवार को लेकर उन्होंने कहा, साहेब से ज्यादा मैंने बारामती का विकास किया. अच्छी बात है, चुनाव चल रहा है तो सभी को अपनी राय रखने का अधिकार है। राज ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, खुद को कुछ करना नहीं. जब मौका था तब कुछ किया नहीं. बस लोगों की मिमीक्री करना, मजाक उड़ाना यहीं उन्हें आता है. राज ठाकरे किस आधार पर कहते हैं कि मैं जातिवादी हूं क्योंकि मैंने पुणे में पुणेरी पगड़ी के बजाय महात्मा फुले वाली पगड़ी पहनी थी? राज ठाकरे किसी और के कहने पर आजकल बोलते हैं। वहीं संजय राउत ने महायुति गठबंधन और बीजेपी नेताओं की ओर से एमवीए पर वोट जिहाद को लेकर दिए बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा,देखिए यह सब बीजेपी के लोग हैं... यह काम उन्हीं पर छोड़ दीजिए. अगर वोट जिहाद, लव जिहाद जैसी बात सामने आ रही है तो इसका मतलब है कि बीजेपी हार रही है. चुनाव आते ही इन सब बातों का याद आना यह स्पष्ट करता है कि भारतीय जनता पार्टी अब यह चुनाव हार रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जीवनदायिनी नदियां खुद जीवन के लिए तरस रही!

बता दें हिन्दू शास्त्रों में गंगा और यमुना नदी का धार्मिक महत्व बताया गया है। इन नदियों की उपयोगिता के कारण इन्हें जीवनदायिनी कहा गया है। वर्तमान में हालत यह है कि ये जीवनदायिनी खुद जीवन के लिए तरस रही हैं। देश में अन्य समस्याओं की तरह इन नदियों के की बर्बादी के लिए भी राजनीति जिम्मेदार है।

अगले साल यूपी के प्रयागराज में महाकुंभ होने वाला हैं। पर सरकारी दावों के उलट गंगा-यमुना में अब भी गंदगी से पटी हैं या पानी गंदा है। जबकि सुप्रीम कोर्ट तक इसे साफ करने की बात कह चुकी है। यहीं नहीं मोदी सरकार नाममि गंगा प्रोजेक्ट के नाम पर नदियों की सफाई में अरबों रुपये खर्च करने का दावा करती है। यह हाल कमोवेश पूरे देश के लगभग सभी नदियों का यहीं है। बता दें हिन्दू शास्त्रों में गंगा और यमुना नदी का धार्मिक महत्व बताया गया है। इन नदियों की उपयोगिता के कारण इन्हें जीवनदायिनी कहा गया है। वर्तमान में हालत यह है कि ये जीवनदायिनी खुद जीवन के लिए तरस रही हैं। देश में अन्य समस्याओं की तरह इन नदियों के की बर्बादी के लिए भी राजनीति जिम्मेदार है। नदियों का प्रदूषण का मुद्दा राजनीतिक दलों को वोट नहीं दिला सकता, इसलिए इनकी सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। सत्तारुढ़ दलों की प्राथमिकता में नदियों की पवित्रता बरकरार रखना नहीं रह गया है।

इन नदियों की हालत नालों जैसी बन चुकी है। भ्रष्टाचार और वोट बैंक की राजनीति के कारण इस हालत से निपटने के लिए सरकारी प्रयास विफल साबित हुए हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, हाईकोट और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद नदियों में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। अदालतों ने नदियों में प्रदूषण के लिए कई बार भारी जुर्माना लगाया है। चुंकि जुर्माना नेता-अफसरों की जेब से नहीं जाता, इसलिए उसका ऊंट के मुंह में जीरे जितना ही असर हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना नदी को अनुपचारित अवशिष्ट से प्रदूषित करने के लिए आगरा नगर निगम को 58.39 करोड़ रुपये पर्यावरणीय मुआवजा देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी और यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण स्तर को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई। इस तरह के मामले में इससे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी नगर निगम के खिलाफ अप्रैल में आदेश दिया था। यह पहला मौका नहीं है कि जब एनजीटी या अदालत ने नदियों के प्रदूषण के लिए सरकारी एजेंसियों पर जुर्माना लगाया हो, इससे पहले भी ऐसे कदम उठाए जा चुके हैं, किन्तु शासन-प्रशासन की मिलीभगत से नदियों में प्रदूषण का स्तर का बढ़ता जा रहा है। हालात यह हो गए हैं कि नदियों का जल पीने लायक तो दूर आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। सरकारों को यह ध्यान देना चाहिए कि नदियों के नाम जो अरबों रुपया भेजा जा रहा वह सही इस्तेमाल हो रहा हैं कि नहीं । अगर इतनी धनराशि खर्च करने के बाद भी नदियां आचमन के लायक नहीं है तो धर्मतूल्य देश में शर्म की बात हैं सबसे बड़ा सवालिया निशान तो वर्तमान सरकार पर ही लगना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कई आदिवासी समुदायों के अस्तित्व पर संकट

पंकज चतुर्वेदी

झारखंड के विधानसभा चुनाव में संथाल क्षेत्र में आदिवासी आबादी कम होना बड़ा मुद्दा है। वास्तव में पूरे देश में ही प्रत्येक आदिवासी समुदाय की संख्या घट रही है। झारखंड की 70 फीसदी आबादी 33 आदिवासी समुदायों की है। यहां पिछले कई वर्षों से 10 ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी बढ़ नहीं रही है। ये आदिवासी आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक रूप से कमजोर तो हैं ही, साथ ही इनके विलुप्त होने का खतरा भी है। ऐसा ही संकट बस्तर इलाके में भी है। देश भर की दो-तिहाई आदिवासी जनजाति मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, गुजरात और राजस्थान में रहती है, जिनकी आबादी लगातार कम होने के आंकड़े हैं। याद करना होगा कि अंडमान निकोबार और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में बीते चार दशकों में कई जनजातियां लुप्त हो गईं। एक जनजाति के साथ उसकी भाषा-बोली, मिथक, मान्यताएं, संस्कार, भोजन, आदिम ज्ञान सब कुछ लुप्त हो जाता है।

झारखंड में आदिम जनजातियों की संख्या वर्ष 2011 में घटकर दो लाख 92 हजार रह गई। ये जनजातियां हैं— कंवर, बंजारा, बथुडी, बिझिया, कोल, गौरेत, कॉड, किसान, गोंड और कोरा। इसके अलावा माल्तो-पहाड़िया, बिरहोर, असुर, बैगा भी ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी में लगातार गिरावट आ रही है। राज्य सरकार ने इन्हें पीवीजीटी श्रेणी में रखा है। एक बात आश्चर्यजनक है कि मुंडा, उरांव, संताल जैसे आदिवासी समुदाय जो कि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर आगे आ गए, जिनका अपना मध्य वर्ग उभर कर आया, उनकी जनगणना में आंकड़े देश के जनगणना विस्तार के अनुरूप ही हैं। बस्तर में गौंड, दोरले, धुरबे आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा पिछड़ रहे हैं। कोरिया, सरगूजा, कांकेर, जगदलपुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सभी जिलों में आदिवासी आबादी तेजी से घटी है। आम आदिवासी की जितनी भी पुरानी कथाएं हैं, उनमें उनके सुदूर क्षेत्रों से पलायन और एकांतवास का मूल कारण है कि वे शांतिप्रिय तथा किसी से युद्ध नहीं चाहते थे।

आज भी वे नक्सलवादी हिंसा और प्रतिहिंसा से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में पलायन करते रहे हैं। बस्तर के बासागुड़ को ही लें, एक शानदार बस्ती थी, तीन हजार की आबादी वाला। इधर सलवा जुडुम ने जोर मारा और उधर

नक्सलियों ने हिंसा की तो आधी से ज्यादा आबादी भागकर तेलंगाना के चेरला के जंगलों में चली गई। अकेले सुकमा जिले से पुराने हिंसा दौर में पलायन किए 15 हजार परिवारों में से आधे भी नहीं लौटे। एक और भयावह बात है कि परिवार कल्याण के आंकड़े पूरे करने के लिए कई बार इन मजबूर लोगों को कुछ पैसे का लालच देकर नसबंदी कर दी जाती है। मध्य प्रदेश में 43 आदिवासी समूह हैं, जिनकी आबादी डेढ़ करोड़ के आसपास है। यहां भी बड़े समूह तो प्रगति कर रहे हैं लेकिन कई आदिवासी समूह विलुप्त होने के कगार पर हैं। इनमें भील-भिलाला आदिवासी समूह की जनसंख्या सबसे ज्यादा (59.939 लाख) है। इसके बाद गोंड समुदाय की जनसंख्या 50.931 लाख, कोल आदिवासियों की जनसंख्या 11.676 लाख, कोरकू आदिवासियों की जनसंख्या 7.308 लाख और सहरिया आदिवासियों की आबादी 6.149 लाख है। इनकी जनसंख्या वृद्धि दर, बाल मृत्यु दर में कमी आदि में खासा सुधार है, लेकिन दूसरी तरफ बिरहुल या बिरहोर आदिवासी समुदाय की जनसंख्या केवल 52 है। कोंध समूह (मुख्यत: ओडिशा में रहने वाले) की जनसंख्या 109, परजा की जनसंख्या 137 और सौंता समूह की जनसंख्या 190 है। असल में इनका समुदाय बहुत छोटा है और इनके विवाह संबंध बहुत छोटे समूह में ही होते रहते हैं। अत: जैनेटिक कारणों से भी वंश-वृद्धि न होने की एक संभावना है। देश की करीब 55 प्रतिशत आदिवासी आबादी अपने पारंपरिक आवास से बाहर निकलकर निवास कर रही है। किसानी या जंगल उत्पादों पर अपना जीवनयापन करने वाली जनजातियों के प्राकृतिक संसाधन कम हो गए, इसके चलते उनका पलायन हुआ। यह बात स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट 'ट्राइबल हेल्थ ऑफ इंडिया' में उजागर होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, देश में आदिवासियों की कुल दस करोड़ चालीस लाख लगभग आबादी में से आधी से अधिक 809 आदिवासी बहुल क्षेत्रों से बाहर रहती है। रिपोर्ट में इस तथ्य के समर्थन में 2011 की जनगणना का हवाला दिया गया है। 2001 की जनगणना में जिन गांवों में 100 प्रतिशत आदिवासी थे, 2011 की जनगणना में इन आदिवासियों की संख्या 32 प्रतिशत कम हो गई। वैज्ञानिक शोध पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित 2016 की एक रिपोर्ट के अनुसार आदिवासी जनजाति के लोगों का औसतन जीवनकाल 63.9 वर्ष होता है, जो कि गैर-आदिवासी लोगों से तीन वर्ष कम होता है। इसका बड़ा कारण आदिवासियों के बीच बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है।

जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य का वक्त

दिनेश सी. शर्मा

अजरबैजान के बाकू में जलवायु वार्ता का वार्षिक दौर खतरे की घंटी के साथ शुरू हुआ है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपने वार्षिक आकलन में बताया है कि 2024 सबसे गर्म साल रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रहा है, जिसमें जनवरी और सितंबर के बीच वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का पारा औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर से लगभग 1.54 डिग्री सेल्सियस अधिक के आसपास मंडराता रहा। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि यह इजाफा उस 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम सीमा से ऊपर है, जिसे वैज्ञानिकों ने तय किया था और विश्व समुदाय ने उत्सर्जन में कमी लाकर इसको इस हद से नीचा रखने के लिए सहमति बनाई थी। पेरिस समझौते का लक्ष्य औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर की तुलना में धरती की सतह के औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि को दीर्घकाल में 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना था।

जबकि इस वर्ष ला नीना प्रभाव के कारण गर्मी में बढ़ोतरी हो सकती है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड घनत्व निरंतर बढ़ रहा है जो तापमान वृद्धि का कारण बनती है। तापमान वृद्धि से अतिवृष्टि और बाढ़, तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवात, जानलेवा गर्मी, सूखा और जंगल की आग जैसे भयावह परिणामों के अलावा अनेक गहरे प्रभाव पड़ रहे हैं। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने व्याख्या की है : 'जलवायु आपदा स्वास्थ्य को नुकसान, असमानता में बढ़ोतरी और सतत विकास को हानि पहुंचा रही है, यह शांति की नींव को भी हिला रही है'। फंड, उपायों पर अमल और जलवायु वार्ताओं के परिणाम चाहे जो भी हों, दुनिया के सामने यह संकट मुंह बाए खड़ा है। जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रभाव व्यापक होता है। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर हालिया रिपोर्ट 'द लैंसेट काउंटडाउन' बताती है हर देश में अब लोगों को अपने स्वास्थ्य और अस्तित्व पर बने खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जलवायु संकट बढ़ रहे हैं।

सेहत पर प्रभाव डालने वाले कारकों में अब बढ़ती गर्मी प्रमुख वजह है, वर्ष 2023 में लोगों को औसतन 50 से अधिक दिनों तक लगातार प्रचंड गर्मी झेलनी पड़ी, जबकि मौसम में आए बदलावों से पहले ऐसा नहीं होता था। इसके परिणामवश 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में जितने लोगों की मौतें हुई, वे 1990 के दशक के औसत से 167 प्रतिशत अधिक हैं। सर्वेक्षण में पाया कि 31 देशों ने कम-से-कम 100 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बनी गर्मी भुगती, जलवायु परिवर्तन के बिना ऐसा होने की उम्मीद न होती। गर्मी के असर से शारीरिक गतिविधि और नींद की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे शारीरिक-मानसिक सेहत प्रभावित हो रही है। जो कर्मचारी खुले में या गैर-ठंडे बाहरी वातावरण में काम करते हैं, उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है और उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है। यह बहुत बड़ा नुकसान है क्योंकि विश्व स्तर पर लगभग 1.6 बिलियन लोग यानि कामकाजी आयु वर्ग की 25.9 प्रतिशत हिस्सा खुले में काम करता है। इसमें कृषि मजदूर, विनिर्माण एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कार्यरत और अनौपचारिक क्षेत्र में लगे लोग शामिल हैं।

स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का अन्य बड़ा असर यह होगा कि इससे जल-जनित, मच्छर-जनित, खानपान-जनित और वायु-जनित रोगों का प्रसार बढ़ने का खतरा है। बढ़ता तापमान, अतिशयी बारिश एवं सूखा, भूमि उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियां इस जोखिम में इजाफा करते हैं। उदाहरणार्थ पिछले 20 सालों में विश्व में डेंगू का प्रकोप बढ़ा है। 2023 में, एडीज एजिप्टी जैसे मच्छर का और अधिक इलाकों में फैलाव होने के कारण दुनियाभर में डेंगू के लगभग पचास लाख मामले सामने आए। तापमान वृद्धि के साथ हाल के दशकों में मलेरिया फैलने वाली अवधि भी बढ़ी है। दुनिया का 17 प्रतिशत अतिरिक्त भू-भाग पी-फाल्सीपेरम जैसे मलेरिया परजीवियों के फलने-फूलने के अनुकूल हो गया है।

जलाशयों के तापमान और लवणता में परिवर्तन के चलते जल जनित रोगों का संक्रमण अधिक फैल रहा है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और जलवायु परिवर्तन धीमा करने को निर्णायक कदम उठाने पर राजनेताओं और नीति निर्माताओं में आम सहमति बनने का दुनिया अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं कर सकती। वार्षिक जलवायु परिवर्तन वार्ताएं अपने-अपने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आर्थिक हितों की रक्षा सुनिश्चित रखने के प्रयास बनकर रह गई हैं, और ऐसे पैंतरे अपनाए जाते हैं जिससे काम जल्दी होने की बजाय लटका रहे। इसलिए रास्ता यही कि लचीला जलवायु संबंधी तंत्र बने और उस पर अमल हो। हालांकि यह करना भी एक चुनौती है, उदाहरणार्थ, एयर-कंडीशनिंग जैसा उपाय अपनाना गर्मी के बढ़ते प्रकोप का स्थायी हल नहीं। इससे शहरी क्षेत्रों में, वाणिज्यिक और आवासीय भवनों में एयर-कंडीशनर के अत्यधिक उपयोग से बना 'हीट आइलैंड' बढ़ता है। इसलिए, हमें अक्षय ऊर्जा के साथ-साथ नवीकरणीय कम ऊर्जा खपत वाली शीतलन तकनीकों द्वारा संचालित एयर-कंडीशनिंग चाहिये। डेंगू जैसी चुनौतियों के लिए, हमें जोखिम कम करने, एकीकृत मच्छर नियंत्रण उपायों और स्वास्थ्य प्रणालियों को अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने पर जोर देने की आवश्यकता है।

तुलसी है सिरदर्द का रामबाण इलाज

अपने औषधीय गुणों के लिए मशहूर तुलसी भी कई समस्याओं में काफी लाभदायक है। धार्मिक दृष्टि से बेहद पवित्र माना जाने वाला यह पौधा आपको कई समस्याओं से भी निजात दिला सकता है। ऐसे में अगर आप सर्द हवाओं की वजह से होने वाले सिरदर्द से परेशान हैं, तो तुलसी की चाय पीने से आपको काफी आराम मिलेगा। इसके लिए एक कप पानी में तुलसी के तीन-चार पत्ते कुछ मिनट के लिए उबाल लें। अब इस उबले पानी में शहद मिलाकर चाय की तरह पीएं, इससे आपको सिरदर्द से छुटकारा मिलेगा। एक कटोरे में पानी और तुलसी की पत्तियां या तुलसी के तेल की कुछ बूंदें डालकर उसकी भाप लें।

लौंग से सिरदर्द में मिलती है राहत

यदि तनाव के कारण सिरदर्द हो रहा है तो लौंग का इस्तेमाल आपको सिरदर्द की समस्या से छुटकारा दिला सकता है। इसमें ठंडक और दर्द से राहत देने वाले गुण होते हैं। लौंग को क्रश करके किसी रुमाल या पैकेट में डाल दें, जब भी सिरदर्द हो तो उसे सूंघ लें, सिरदर्द में आराम मिलेगा। लौंग के तेल की 1-2 बूंद एसेंशियल ऑयल में मिलाकर माथे की मसाज करने से भी सिरदर्द में राहत मिलती है। दो चम्मच नारियल तेल, एक चम्मच सफेद नमक और दो बूंद लौंग का तेल मिला लें और इससे माथे पर हल्की मसाज करने से सिरदर्द में आराम मिलता है। मसाले के तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली छोटी सी लौंग भी सिरदर्द की समस्या में आपके लिए काफी कारगर होगी।

सर्दियों में सिरदर्द से निजात दिलाएंगे ये घरेलू नुस्खे

सर्दियों की वजह से लगातार हमारी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। सर्दी-जुकाम के साथ ही सर्द हवाओं की वजह से इस मौसम में अक्सर सिरदर्द की समस्या भी होने लगती है। ऐसे में इन घरेलू उपायों से इससे आराम पा सकते हैं। ठंड के मौसम में सेहत से जुड़ी कई समस्याएं होने लगती हैं। दरअसल, सर्दी-जुकाम के साथ ही ठंड में सर्द हवाओं की वजह से कई बार सिरदर्द की समस्या होने लगती है। इसकी वजह से आपका काम करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में अगर पेन किलर लेने के बाद भी आपको इस समस्या से राहत नहीं मिल पा रही है, तो इन घरेलू उपायों की मदद ले सकते हैं। जैसे तुलसी, लौंग, अदरक, चंदन, नींबू, हल्दी, दालचीनी और सिर में तेल मालिश के अलावा अच्छी नींद लेने से भी सिरदर्द में राहत मिलती है।

अच्छी नींद से मिलती है राहत

कई बार सिरदर्द का कारण थकान भी होता है। अगर आपको थकान के कारण सिरदर्द हो रहा है तो आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प यही है कि आप कुछ देर आराम से सो जाएं। सोने से दिमाग को शांति मिलती है और सिरदर्द से छुटकारा भी मिल जाता है। दाल चीनी को आप सिर दर्द के लिए उपयोग में ला सकते हैं। दरअसल, अगर आप सिरदर्द की समस्या से परेशान हैं, तो इसका पेस्ट बनाकर इसे माथे पर लगाने से काफी राहत मिलती है।

अदरक और हल्दी का करें सेवन

सिर की रक्त वाहिकाओं में सूजन के कारण भी सिरदर्द होता है। इसके लिए अदरक और नींबू के जूस को बराबर मात्रा में मिलाकर दिन में 1-2 बार पीने से राहत मिलेगी। एक चम्मच अदरक पाउडर में दो चम्मच पानी मिलाकर माथे पर लगाने से भी सिरदर्द में राहत मिलती है। कच्चे अदरक को पानी में उबालकर उसका भाप लेने से भी सिरदर्द में आराम मिलता है। एक ग्लास दूध में एक छोटा चम्मच हल्दी मिलाकर इसे कुछ देर के लिए उबालें। अब इस दूध को धीरे-धीरे पीने से सिरदर्द से राहत मिलेगी।

सिर पर करें तेल से मालिश

हर बार सिरदर्द के लिए गोली खाना सही नहीं है। सिर पर तेल की मालिश करके भी सिरदर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। तेल की मालिश से सिर की माशपेशियों को आराम मिलता है और हल्का महसूस होता है। जब सिरदर्द सताए तो किसी ऐसे व्यक्ति की मदद लें, जो आपके सिर की मालिश करके आपको सिरदर्द से छुटकारा दिला सके। इसके लिए आप बादाम का तेल, जैतून या नारियल तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। यही नहीं सरसों के तेल में कुछ बूंद पानी मिलाकर मालिश करने से भी सिरदर्द में राहत मिलती है।

हंसना मना है

प्रेमिका : मैं किसी और से शादी कर रही हूं, तुम मुझे भूल जाओ! प्रेमी : न तेरे आने की खुशी, न तेरे जाने का गम! जा बहन जा, दूसरी पटा लेंगे हम।

लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से फोन पर कहा : मैं कल तुमसे मिलने नहीं आ सकती। बॉयफ्रेंड ओह ! चलो मैं तुम्हारा गिफ्ट किसी और को दे देता हूं। लड़की : मेरा मतलब था, मैं कल नहीं आ सकती! अभी कहां हो तुम?

महात्मा (शराबी से)- तुम्हारी श्वांस में शराब की ऐसी बदबू आती है कि तुम्हें स्वर्ग और नरक में जगह नहीं मिलेगी, शराबी (महात्मा से)- मगर मरने के बाद मैं अपनी श्वांस यहीं छोड़ जाऊंगा।

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी। एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता हैं , आज दिन में कैसे निकल आया? लडकी बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा हैं।

पति व्हिस्की का एक ग्लास बनाता है और पत्नी से कहता है- लो पिओ इसे पत्नी व्हिस्की चखती है, फिर कहती हैं.. छी-छी, कितनी कड़वी है, पति: और तू सोचती है कि मैं रोज अय्याशी करता हूं.. ज़हर के घूंट पीता हूं जहर के?

कहानी | कौवा और दुष्ट सांप

एक जंगल में किसी पेड़ पर कौवे का एक जोड़ा रहा करता था। वो दोनों खुशी-खुशी जीवन बसर कर रहे थे। एक दिन जिस पेड़ पर कौवों का घोंसला था, उसी पेड़ के नीचे बने बिल में सांप रहने लगा था। जब भी कौवों का जोड़ा दाना चुगने के लिए जाता, सांप उनके अंडों को खा जाता था और जब वो वापस आते, तो उन्हें घोंसला खाली मिलता था, लेकिन उन्हें पता नहीं चल पा रहा था कि अंडे कौन ले जाता है। इस प्रकार से कई दिन निकल गए। एक दिन कौवे का जोड़ा दाना चुग कर जल्दी आ गया, तो उन्होंने देखा की उनके अंडों को बिल में रहले वाला एक सांप खा रहा है। इसके बाद उन्होंने पेड़ पर किसी ऊंचे स्थान पर छुपकर अपना घोंसला बना लिया। सांप को लगा कि कौवों का जोड़ा चला गया है, लेकिन शाम होते ही दोनों वापस पेड़ पर आ जाते हैं। कौवा के अंडों में से बच्चे निकल आए और वो बड़े होने लगे। एक दिन सांप को उनके नए घोंसले का पता चल गया। जैसे कौवे घोंसला छोड़ कर गए, सांप उनके घोंसले की ओर बड़ने लगा, लेकिन वापस पेड़ की ओर लौट रहे जोड़े ने सांप को उनके घोंसले की ओर जाता देख लिया और अपने बच्चों को पेड़ की ओट में छुपा दिया। सांप ने देखा की घोंसला खाली है, तो वह कौवों की चाल समझ गया और वापस बिल में जाकर सही मौके का इंतजार करने लगा। कौवे ने सांप से पीछा छुड़ाने के लिए एक योजना बनाई। कौवा उड़कर जंगल के बाहर बने एक राज्य में चला गया। वहां एक सुंदर महल था। महल में राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। कौवा उसके गले में से मोतियों का हार लेकर उड़ गया। सभी ने शोर मचाया, तो पहरेदार हार लेने के लिए कौवे का पीछा करने लगे। कौवे ने जंगल में पहुंचकर हार को सांप के बिल में डाल दिया, जिसे पीछा कर रहे सैनिकों ने देख लिया। जैसे ही सैनिकों ने हार निकालने के लिए बिल में हाथ डाला, तो सांप फुंकारता हुआ बाहर निकल आया। सांप को देखकर सैनिकों ने तलवार से उस पर हमला कर दिया, जिससे सांप घायल हो गया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया। सांप के जाने के बाद कौवा अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने लगा।

7 अंतर खोजें

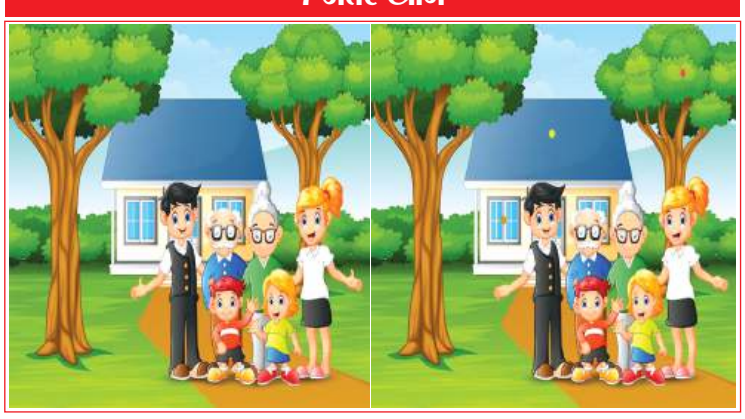

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा।

वृषभ स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मकर सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय नहीं है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें।

मीन मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें।

फिल्म आई वांट टू टॉक को लेकर उत्साहित हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन अपनी अपकमिंग फिल्म आई वांट टू टॉक को लेकर में चर्चा में हैं। इस फिल्म में अभिषेक के किरदार की गहरी इमोशनल जर्नी दिखाई जाएगी। फिल्म एक ऐसे इंसान की कहानी है, जिसे यह बताया जाता है कि उसके पास जीने के लिए सिर्फ 100 दिन हैं। ऐसे में फिल्म में मौत, आत्म-चिंतन और अंत की अहमियत को गहराई से दिखाया गया है।

अभिषेक ने बताया कि फिल्म की कहानी ने उन्हें यह सोचने पर मजबूर किया कि अगर किसी को बताया जाए कि उसके पास सिर्फ 100 दिन ही बचे हैं, तो वह क्या महसूस करेगा। उन्होंने कहा, जब डॉक्टर आपको यह बताता है कि आपके पास सिर्फ 100 दिन हैं, तो इसे मानना और समझना आसान नहीं होता।

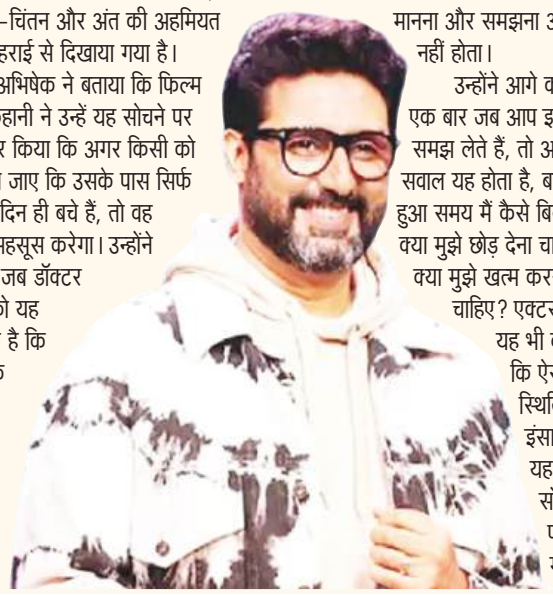

उन्होंने आगे कहा, एक बार जब आप इसे समझ लेते हैं, तो असली सवाल यह होता है, बचा हुआ समय मैं कैसे बिताऊं? क्या मुझे छोड़ देना चाहिए? क्या मुझे खत्म करना चाहिए? एक्टर ने यह भी बताया कि ऐसी स्थिति इंसान को यह सोचने पर मजबूर करती है कि उसके लिए सबसे ज्यादा क्या मायने रखता है, जैसे रिश्तों को सुधारना, पैसों के मामलों को सुलझाना या जीवन के मकसद के बारे में सोचना।

अभिषेक ने रात में जागते हुए आने वाले गहरे ख्यालों के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इंसान रात को अनजानी चीजों के बारे में सोचता है। एक्टर ने कहा, क्या मैं कल सुबह उठूंगा? क्या ये मेरी आखिरी रात है? मुझे अपनी आखिरी रात कैसे बितानी चाहिए? उन्हें किसी के आखिरी दिनों के बारे में सोचना दिलचस्प और इमोशनल दोनों लगा। उन्होंने कहा, यह अच्छा लगता है कि आप एक फिल्म बना रहे हैं, जिसमें किसी के पास जीने के लिए सिर्फ 100 दिन हैं, लेकिन जब आप सच में इस बारे में सोचते हैं, तो यह एक बेहद गहरी सोच है।शूजित सरकार द्वारा निर्देशित आई वांट टू टॉक एक दिल छूने वाली फिल्म है, जो समय के साथ जीने और रिश्तों को समझने की गहरी कहानी पेश करती है। यह फिल्म एक पिता और बेटी के रिश्ते पर आधारित है, जो 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में जॉनी लीवर और अहिल्या बामरू भी अहम भूमिकाओं में हैं।

उन्होंने आगे कहा, एक बार जब आप इसे समझ लेते हैं, तो असली सवाल यह होता है, बचा हुआ समय मैं कैसे बिताऊं? क्या मुझे छोड़ देना चाहिए? क्या मुझे खत्म करना...

धनुष से नाराज हुई नयनतारा, की आलोचना

नयनतारा ने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काफी अच्छे किरदार निभाए है, दर्शकों के बीच उनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा है। दर्शक उनकी जिंदगी को और भी करीब से जान सके, इसके लिए नयनतारा अपनी एक डॉक्यूमेंट्री लेकर भी आई हैं। यह डॉक्यूमेंट्री आज नेटफ्लिक्स पर दिखाई जा रही है। इसमें नयनतारा की जिंदगी के कई पहलुओं को दिखाया गया है, साथ ही उनके संघर्ष की झलक भी इसमें देखने को मिलेगी। वह अपनी इस डॉक्यूमेंट्री को लेकर काफी खुश हैं, लेकिन अब उनकी इस खुशी पर अभिनेता धनुष ने पानी फेर दिया है। असल में उन्होंने नयनतारा की इस डॉक्यूमेंट्री में अपनी फिल्म के एक सीन को इस्तेमाल करने पर कॉपीराइट का केस डाल दिया था।

नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में उनके जीवन के कई किस्सों को साझा किया गया है। इसमें उनके पुराने रिश्तों पर भी बात हुई है। दरअसल, दक्षिण भारतीय फिल्मों के नामी अभिनेता धनुष ने नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री पर केस कर दिया है। उनका कहना है कि डॉक्यूमेंट्री में उनकी एक फिल्म नानुम राउडी धान के कुछ दृश्यों का इस्तेमाल हुआ है। जैसे ही इस बात का पता नयनतारा को चला तो उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए धनुष की आलोचना की। साथ ही उन्होंने कहा कि धनुष के व्यवहार के कारण वह काफी दुखी हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं और श्रीदेवी एक दूसरे का बहुत सम्मान करते थे : माधुरी दीक्षित

श्रीदेवी और माधुरी दीक्षित नब्बे के दशक की ऐसी अभिनेत्रियां रहीं, जिनके नाम पर फिल्में हिट हो जाया करती थीं। दोनों की अपनी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग रही। उस समय इन दोनों के बीच की राइवलरी की बात भी खूब सुनने को मिलती रही। अब इस बारे में माधुरी ने खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने श्रीदेवी के प्रति अपना प्यार और सम्मान भी जाहिर किया। हाल ही में माधुरी दीक्षित ने एक इंटरव्यू में दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की खूब तारीफ की। माधुरी ने कहा, मैं और श्रीदेवी एक दूसरे का बहुत सम्मान करते रहे। मैं तो बतौर कलाकार उनकी बहुत इज्जत करती हूं। उन्होंने कई भाषाओं में काम किया, साथ ही हर भाषा की फिल्मों में श्रीदेवी जी को सफलता मिली। वह मेरे प्रति बहुत ही अच्छा रवैया रखती थीं। माधुरी ने श्रीदेवी और बोनी कपूर की बतौर निर्माता एक फिल्म पुकार की थी। इसमें वह मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म और श्रीदेवी से अपने रिश्ते के बारे में माधुरी कहती हैं कि फिल्म के सेट पर वह अपने रोल पर ध्यान देती थीं, वहीं श्रीदेवी जी प्रोडक्शन का काम संभालतीं। ऐसे में इन दोनों को साथ बैठकर बात करने का मौका कम ही मिला। माधुरी बताती हैं, हमें फिल्म की शूटिंग के दौरान ज्यादा बात करने का मौका नहीं मिला। इस फिल्म के बाद माधुरी अमेरिका चली गईं, क्योंकि उनकी डॉक्टर राम नेने से शादी हो गई थी। दिवाली पर माधुरी दीक्षित फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आईं। इस फिल्म में उनके दमदार अभिनय को काफी पसंद किया गया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की है। हाल ही में एक खबर और आई है कि माधुरी दीक्षित फिल्म धमाल 4 में भी नजर आ सकती हैं।

न आर्मी कैंट...न वीवीआईपी मूवमेंट, फिर भी हाई सिक्योरिटी से लैस है ये रेलवे स्टेशन

आमतौर जेल या आर्मी कैंट, एयरपोर्ट या फिर संवेदनशील स्थानों को हाई सिक्योरिटी इंतजामों से लैस किया जाता है। लेकिन अगर आपसे कहा जाए कि यूपी में एक रेलवे स्टेशन ऐसा है जहां एक किलोमीटर के दायरे तक तारबंदी की गई है तो आपको हैरानी तो जरूर होगी। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत का एक स्टेशन ऐसा है जहां स्टेशन के चारों तरफ कई फीट ऊंची चेन लिंक फैंसिंग की गई है। यह रेलवे स्टेशन पीलीभीत लखनऊ रेलखंड पर पड़ने वाला माला रेलवे स्टेशन है।

कुछ साल पहले तक पीलीभीत-लखनऊ रेलखंड मीटरगेज के जरिए कनेक्ट हुआ करता था। लेकिन समय बीतने के साथ इस रेलखंड पर गेज परिवर्तन का कार्य किया गया। अब यह रेलखंडस ब्रॉडगेज से लखनऊ तक जुड़ा है। यह रेलखंड पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज के घने जंगलों से होकर गुजरता है। ऐसे में कई वर्षों तक गेज परिवर्तन का कार्य प्रभावित भी रहा था। कई साल तक मामला ठंडे बस्ते में पड़े रहने के बाद जंगल में वन्यजीवों की सुगम आवाजाही के लिए अंडरपास बनाने से लेकर कई शर्तों के बाद लगभग 10 किलोमीटर लंबे इस रेलखंड पर कार्य सुचारू हो सका। कुछ समय पूर्व ही इस रेलखंड पर रेल सेवा शुरु हुई है।

आपको बता दें कि पीलीभीत का माला रेलवे स्टेशन साल के घने जंगलों के मध्य स्थित है। वहीं इस वन रेंज में वन्यजीवों का जनसंख्या घनत्व भी अच्छा खासा है। ऐसे में रेलवे स्टेशन आने वाले यात्री और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिहाज से कई एहतियात बरते जाते हैं। इस रेलखंड पर ट्रेनों को महज 10 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गुजारा जाता है। वन्यजीव जंगल से रेलवे स्टेशन परिसर साथ ही रेलवे स्टेशन से यात्री जंगल में प्रवेश न करने पाएं इसके लिए स्टेशन को चारों ओर से लगभग 1 किलोमीटर तक लगभग 9 फीट ऊंचे चेन लिंक फेंस से कवर किया गया है।

अजब-गजब | यहां चलती है अंधविश्वास की अनोखी परंपरा

मृत व्यक्तियों की आत्माओं को जिला अस्पताल से ज्योत के रूप में घर ले जाते हैं परिजन

हमारे देश में कई जगहों पर विचित्र मान्याताएं और परंपराएं हैं। 21वीं सदी में भी कई लोग अंधविश्वाश्वास और तंत्र मंत्र में विश्वास रखते हैं। ऐसा ही कुछ मध्यप्रदेश के नीमच जिले में भी है। यहां लोग तंत्र मंत्र में विश्वास रखते हैं। कमाल की बात यह है कि यहां लोग मृत आत्माओं को लेने किसी श्मशान घाट में नहीं जाते बल्कि जिला अस्पताल से ले जाते हैं। यहां लोग मृत आत्माओं को जिला अस्पताल से ज्योत के रूप में घर ले जाते हैं। इसके पीछे लोग परंपरा और मान्यता का हवाला देते हैं। इस परंपरा को 'गातला' कहा जाता है।

नीमच जिला अस्पताल में कई लोग मृत आत्माओं को तंत्र-मंत्र साधना से ज्योति के रूप में घर ले जाते हैं। यहां के लोग इस मान्यता को बहुत महत्व देते हैं। इस अनोखी परंपरा को लोग गातला कहते हैं। जब किसी व्यक्ति की असमय मौत हो जाती है तो इस परंपरा को निभाते हैं। इस परंपरा में परिजन मृतक की मूर्ति बनवाकर उसकी पूजा करते हैं। यह परम्परा सालों पुरानी है।

अगर किसी परिजन की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो जाती है तो घटनास्थल वाले स्थान पर ही पुजारी को बुलाया जाता है। ये पुजारी तंत्र-मंत्र से मृतक की

आत्मा को ज्योत में लाते हैं। इसके बाद मृतक की आत्मा को ज्योत के रूप में मटकी में ले जाया जाता है। माना जाता है कि पुजारी या मृतक के परिजन के अंदर मृत व्यक्ति की आत्मा प्रवेश कर गाता (सिरा) यानी मूर्ति लगाने का स्थान बताती है। फिर बताए गए स्थान पर उस मृत व्यक्ति की मूर्ति को गड़वाया जाता है। इसके बाद इनकी पूजा की जाती है। यहां के समाज के अनुसार गातला (सिरा) लगाने के बाद ही परिवार में शुभ कार्य होते हैं नहीं तो पारिवारिक गृह क्लेश भी परिवार में चलते रहते हैं।

'आजकल के लेखक भावनाओं पर देतें है ध्यान'

समसामयिक विषयों पर साहित्यकारों ने रखे विचार, कई सत्रों में साहित्य पर हुई चर्चा

» राजेन्द्र यादव स्मृति समारोह 'हंस साहित्योसव' संपन्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 15 व 16 नवंबर को बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में राजेन्द्र यादव स्मृति समारोह यानी 'हंस साहित्योसव' में हंसका तीसरा साहित्योत्सव सम्पन्न हुआ। साहित्योत्सव के आरंभ में वरिष्ठ साहित्यकार उषा प्रियंवदा ने वक्तव्य दिया। अपनी साहित्यिक जीवन यात्रा में राजेन्द्र यादव एवं मन्नू भंडारी की प्रेरणा और प्रोत्साहन याद करते हुए उन्होंने संक्षेप में सुचिंतित विचारों को रखा, उन्होंने कहा कि - आज कल की लेखिका परिपाटी नहीं बल्कि अपनी भावना की कद्र करती हैं और अपने मन में सामाजिक संबधों को लेकर कोई अपराध बोध नहीं रखतीं। राजेन्द्र यादव और मन्नू भंडारी के रचनाकर्म पर मधुरेश की लिखी एवं वाणी प्रकाशन से प्रकाशित पुस्तक 'तोता मैना की कहानी' का लोकार्पण उषा प्रियंवदा, संजय सहाय और प्रियदर्शन ने किया।

पहले सत्र में 19 वीं सदी के बाद का हिंदी साहित्य-कितने ठहराव, कितने बदलाव पर वरिष्ठ लेखक, उपन्यासकार विभूति नारायण राय, आलोचक विनोद तिवारी एवं संजीव कुमार ने विचारोत्तेजक चर्चा की। इस सत्र का संचालन वैभव सिंह ने किया। दूसरे सत्र में प्रख्यात कवि-आलोचक अशोक वाजपेयी, वरिष्ठ लेखक, समीक्षक सुधीश पचौरी, गोपाल प्रधान, गरिमा श्रीवास्तव ने समकालीन हिंदी साहित्य - प्रभावित करतीं विचारधाराएं और दर्शन पर गंभीर चर्चा की। संचालन पल्लव ने किया। तीसरे सत्र में बाजारवाद की अंधी गली और हिंदी साहित्य पर सुपरिचित लेखिका मृदुला गर्ग, नई वाली हिंदी के चर्चित लेखक सत्य व्यास, आलोचक देवेन्द्र चौबे और रवि सिंह ने महत्त्वपूर्ण चर्चा की। इस सत्र का संचालन फहीम अहमद ने किया।

मन्नू की बेटियां नाट्य ने मन मोहा

परिचर्चा व विमर्श सत्र के बाद शाम में प्रियदर्शन लिखित नाट्य कृति मन्नू की बेटियां का एनएसडी के पूर्व निदेशक ख्यात रंग निर्देशक देवेन्द्र राज अंकुर के निर्देशन में मंचन हुआ। मंच संचालन आदित्य शुक्ल एवं आभार प्रकाश हंस की प्रबंध निदेशक रचना यादव ने किया। साहित्य, पत्रकारिता, रंगमंच, सिनेमा, कला और अन्य विविध क्षेत्रों के लेखकों, बुद्धिजीवियों, हंस प्रेमी साहित्यरसिक पाठकों सहित युवाओं की मजबूत उपस्थिति रही। हंस साहित्योत्सव के दूसरे दिन 16 नवंबर को भी अनेक विचारोतेजक एवं मनोरंजक सत्र हुए।इस दो दिवसीय आयोजन के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी साहित्य तथा सिनेमा तथा उनके सामाजिक प्रभावों पर बातचीत हुई। साहित्य तथा सिनेमा से जुड़े वक्ताओं ने अलग-अलग विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

ओटीटी में गालियों पर भी चर्चा

कहानी की मांग या मसाला' विषय पर आयोजित सत्र काफी गहमा गहमी से भरा रहा। इस सत्र में वरिष्ठ कथाकार और विचारक उदय प्रकाश, फिल्मकार तिग्मांशु धूलिया, टीवी पत्रकार दिबांग तथा कथाकार वैभव विशाल ने हिस्सा लिया। इस सत्र का संचालन इरफ़ान ने किया। इस सत्र में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ओटीटी में जो दिखाया जा रहा है वह दरअसल हमारे समाज का ही एक रिफ्लेक्शन है। किंतु वक्ताओं ने इस पर भी बात रखी कि इन गालियों के औचित्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए, कहीं या सिर्फ लोगों को आकर्षित करके पैसा कमाने का जरिया तो नहीं बन रहे हैं।

'सोशल मीडिया या एसोशल मीडिया'

'सोशल मीडिया या एसोशल मीडिया' विषय पर आयोजित सत्र में वरिष्ठ लेखिका ममता कालिया, वरिष्ठ कथाकार और पत्रकार विष्णु नगर, मीडिया विशेषज्ञ विनीत कुमार तथा कवि अविनाश मिश्र ने अपने विचार व्यक्त किए। इसका संचालन किंशुक गुप्ता ने किया। ममता कालिया ने कहा कि सोशल मीडिया की बुराइयां ही देखी जाती हैं जबकि इससे लोगों को बहुत लाभ हुए हैं। सोशल मीडिया ने लोगों से जोड़ने के और समाज को देखने समझने के नए तरीके दिए। विनीत कुमार ने कहा कि कुछ भी ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होता बहुत सारा ग्रे एरिया इस सोशल मीडिया में भी है। ओम थानवी ने कहा कि ओटीटी के जरिए सिनेमा घर-घर तक पहुंच गया है, लेकिन अभी भी उच्च कोटि की फिल्में लोगों तक उपलब्ध नहीं है। विश्व स्तरीय निर्देशकों की फिल्में आज भी हमें खोजनी पड़ती हैं। सिनेमा में अश्लीलता और सेंसरशिप का मुद्दा भी उठा जिस पर अविनाश दास और शुभ्रा गुप्ता ने अपनी बात कही।

झामुमो नीत गठबंधन सरकार चट्टान की तरह खड़ी : सोरेन

» भाजपा इसे गिराने की तमाम साजिश कर रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जामताड़ा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दावा किया कि प्रदेश की गठबंधन सरकार राज्य में चट्टान की तरह खड़ी है और भाजपा इसे गिराने की तमाम साजिशों के बावजूद कुछ नहीं कर पा रही है। सोरेन ने दावा किया कि भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के लिए उन्हें सलाखों के पीछे डाला लेकिन वह इससे ज्यादा कुछ नहीं कर पाई। मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवारों के समर्थन में जामताड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, देश के संविधान की रक्षा और एजेंडा-विहीन भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए गठबंधन सहयोगियों की एकता जरूरी है।

सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल ने राज्य के आदिवासियों, किसानों और गरीब लोगों के लिए क्या किया? उन्होंने कहा, भाजपा ने कुछ नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने लोगों की बेहतरी के लिए काम किया। जनता सरकार की कल्याणकारी योजनाओं जैसे आपकी सरकार, आपके द्वार का लाभ उठा रही है। इस योजना के तहत सरकारी अधिकारी लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए उनके घर पर जाते हैं।

मिक्स मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में डीके फाइट क्लब के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

» सीनियर वर्ग में जियांश ने जीता गोल्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उन्नाव में 15 से 16 नवंबर तक आयोजित महोत्सव में मिक्स मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में लखनऊ के डीके फाइट क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में क्लब के चार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में मेडल अपने नाम किए। सीनियर वर्ग में जियांश ने गोल्ड मेडल हासिल किया और अपने कोच और क्लब का नाम रोशन किया। वहीं, सीनियर वर्ग में ही रवि प्रताप ने सिल्वर मेडल जीता, जिससे क्लब की सफलता में एक और कड़ी जुड़ गई।

यूथ वर्ग में भी डीके फाइट क्लब के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाए रखा।

सुमित कुमार और नैतिक ने कड़ी टक्कर देते हुए सिल्वर मेडल हासिल किए। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि क्लब के युवा खिलाड़ी भी किसी से कम नहीं हैं और भविष्य में वे और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। डीके फाइट क्लब के डायरेक्टर और कोच ने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उनके भविष्य के लिए अपनी उम्मीदें जाहिर कीं।

छात्रों को विरासत के संरक्षण के लिए किया प्रेरित

» इमारतों के संरक्षण के लिए एक दशक से प्रयासरत हैदर दंपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ की अप्रतिम साझी विरासत और इमारतों के संरक्षण के लिए एक दशक से अधिक से प्रयासरत हैदर दंपति ने लखनऊ के प्रमुख शिक्षण संस्थान एआर जयपुरिया स्कूल के छात्रों को अपनी विरासत के संरक्षण एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से एक उत्कृष्ट व्याख्यान दिया। उक्त व्याख्यान 2 मुख्य भागों में विभाजित था जिसमें प्रथम भाग लखनऊ के इतिहास, नवाबी कला, नवाब दौर के स्मारक और लखनवी तहजीब और खान पान से सम्बंधित था।

इन विषयों पर प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर ने छात्रों को सम्बोधित किया और उनको उस समय के स्मारकों, जीवनशैली, खानपान इत्यादि के उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत

करते हुए इन स्मारकों के स्थापत्य एवं महत्त्व से सम्बंधित व्यापक जानकारी दी। वहीं व्याख्यान के दुसरे भाग में सय्यद मोहम्मद हैदर रिजवी, लखनऊ उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं एवं सांस्कृतिक विरासतों के रखरखाव, जीर्णोद्धार में अपने उल्लेखनीय सहयोग के लिए जाने जाते हैं। उनके द्वारा सांस्कृतिक इमारतों के संरक्षण में भारतीय संविधान एवं प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 के अंतर्गत बनाये गए नियमों एवं विधियों की जानकारी छात्रों को दी गई।

छात्रों को नैतिक कर्तव्यों के प्रति किया गया जागरूक

उन्होंने छात्रों को उनके नैतिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासतों को अक्षुण्ण रखने और इन धरोहरों के रक्षा करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्रों से एक प्रश्नोत्तरी का सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें उक्त छात्रों से दिए गए व्याख्यान के सम्बन्ध में प्रश्न पूछ कर उनको पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती पूनम कोचिटी एवं उप प्राचार्य पंकज राठौर उपस्थित रहे जिन्होंने इस दूरगामी पहल की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे व्याख्यान करवा कर छात्रों को उनके कर्तव्यों के बारे में जागरूक किये जाने का संकल्प किया।

पर्थ में बुमराह संभालेंगे भारतीय टीम की कमान

» पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे रोहित शर्मा, ओपनिंग करेंगे केएल राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पर्थ। भारतीय टेस्ट टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे और उन्होंने इसकी जानकारी आधिकारिक रूप से बीसीसीआई को दे दी है। भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल कोहनी की चोट से उबर गए हैं और उन्होंने रविवार को नेट सत्र में भी हिस्सा लिया है, जो इस बात के संकेत देता है कि वह 22 नवंबर से होने वाले पहले टेस्ट मैच में ओपनिंग के लिए उतरेंगे।

वहीं, रोहित की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी सौंपी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में दूसरी बार पिता बनने वाले नियमित कप्तान रोहित एडिलेड में दूसरे टेस्ट से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे क्योंकि वह अपने परिवार और नवजात शिशु के साथ समय बिताना चाहते हैं। रोहित की पत्नी रितिका ने हाल ही में बेटे को जन्म दिया था, जिसके बाद इसकी संभावना जताई जाने लगी थी कि रोहित पहले टेस्ट के लिए जल्द भारतीय टीम से जुड़ सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में छह दिसंबर से होगा। राहुल के फिट घोषित होने के बाद इस बात की पूरी संभावना है कि भारतीय टीम प्रबंधन यशस्वी जायसवाल के साथ राहुल को पारी का आगाज करने भेजेगा। शुभमन गिल के चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर होने के बाद राहुल का समय पर ठीक होना भारत के लिए राहत की खबर है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी इस बात के संकेत दिए थे कि रोहित के शुरुआती टेस्ट से बाहर होने पर राहुल को ऊपरी क्रम में भेजा जा सकता है।

ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी कर सकते हैं डेब्यू

ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को शुक्रवार से पर्थ में शुरू होने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के लिए अपना पहला टेस्ट कैप मिलने की संभावना है क्योंकि भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें चौथे तेज गेंदबाज के रूप में खिला सकता है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में उछाल और कैरी की उम्मीद है। इस स्थिति में नीतिश कुमार भारत की तेज गेंदबाजी विभाग को मजबूत करने के लिए सही विकल्प साबित हो सकते हैं। इस टेस्ट सीरीज के लिए भारत की तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा के ऊपर है। वहीं लंबे समय के बाद मैदान पर वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है।

महाराष्ट्र और झारखंड में शाम को थम जाएगा प्रचार

महायुति व महाविकास अघाड़ी में है कड़ी टक्कर, खरगे, पवार व उद्धव ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय व झारखंड विधानसभा के दूसरे चरण की सीटों पर चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होने हैं। इसके लिए आज चुनाव प्रचार का अंतिम दिन है। शाम 5 बजे तक नेताओं भाषण थम जाएंगे। पर उससे पहले महायुति व महाअघाड़ि में एकदूसरे पर वार-पलटवार जारी है।

राज्य के बड़े नेता शरदपवार, उद्धव ठाकरे व देवेन्द्र फणनवीस समेत सभी पक्ष व विपक्ष के नेता जनता के अपनी बात रख रहे हैं। अब जब मतों की गिनती 23 नवंबर को की जाएगी तब पता चलेगा कि महाराष्ट्र की जनता ने किसकी बात पर विश्वास रखा और इसको खारिज किया।

राजनीतिक रूप से सबसे खतरनाक भाजपा और आरएसएस : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की तुलना जहर से की और उन्हें भारत में राजनीतिक रूप से सबसे खतरनाक करार दिया। खरगे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार समाप्त होने से ठीक एक दिन पहले सांगली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जहरीले सांप को मारने का उदाहरण दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, अगर भारत में राजनीतिक रूप से सबसे खतरनाक कोई चीज है तो वह भाजपा और आरएसएस हैं। वे जहर की तरह हैं। अगर सांप काटता है तो वह व्यक्ति (जिसे काटा गया है) मर जाता है... ऐसे जहरीले सांप को मार देना चाहिए। खरगे ने कांग्रेस के बागी और सांगली से निर्दलीय सांसद विशाल पाटिल का नाम लिए बगैर उन पर पार्टी को धोखा देने और अपने रिश्तेदार का समर्थन करने का आरोप लगाया।

नरेन्द्र मोदी की सत्ता की भूख अभी शांत नहीं हुई

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह विधानसभा का चुनाव है, देश का प्रधानमंत्री चुनने का नहीं। उन्होने कहा कि उनकी (मोदी की) सत्ता की भूख अभी शांत नही हुई है। उन्होने मोदी पर जातीय संघर्ष से जूझ रहे मणिपुर का दौरा न करने और इसके बजाय विदेश यात्रा करने का आरोप लगाया।

पार्टी से पाने वालों को पार्टी से धोखा नहीं करना चाहिए

खरगे (83) ने कहा कि उनकी उम्र उन्हे कांग्रेस की विचारधारा का समर्थन करने और लोगो से मिलने से नही रोकेगी। उन्होने विशाल पाटिल पर कटाक्ष करते हुए कहा, ऐसे नेता है जिन्हे पार्टी ने पद दिए और उन्होने उनसे लाभ उठाया। हम किसी की आलोचना नही कर रहे है, लेकिन अगर कांग्रेस पार्टी आपको सबकुछ दे रही है तो आपको उसे धोखा नही देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी नही चाहती कि (पूर्व मुख्यमंत्री) दिवंगत वसंतदादा पाटिल के परिवार मे कोई दरार आए, जो सांगली से थे।

इस्तेमाल करके फेंक देना शिंदे की नीति : उद्धव

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पालघर के विधायक श्रीनिवास वंगा के साथ किए गए व्यवहार का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना पर इस्तेमाल करके फेंकने की नीति अपनाने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद दिवंगत चिंतामन वंगा के बेटे श्रीनिवास वंगा को शिंदे गुट ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नही दिया। श्रीनिवास ने 2019 का चुनाव (अविभाजित) शिवसेना के टिकट पर जीता था और जून 2022 में पार्टी के विभाजन के बाद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। उद्धव यहां बोईसर में महा विकास आघाडी (एमवीए) के उम्मीदवार विश्वास वाल्वी (बोईसर) और जएंद्र डुबला (पालघर) के समर्थन में रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा, सत्तारूढ़ पार्टी की इस्तेमाल करके फेंकने की नीति है। वंगा परिवार का अपमान किया गया है।

विश्वासघात करने वालों को जनता दे सबक : शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) सुप्रीमो शरद पवार ने 20 नवंबर हो होने जा रहे विधानसभा चुनाव मे, मतदाताओं से अजित पवार के नेतृत्व मे बगावत करने वालो को न केवल हराने बल्कि बुरी तरह से हराने की अपील की। शरद पवार ने सोलापुर जिले के माढा मे जनसभा को संबोधित करते हुए दल-बदल की एक घटना को याद किया, जिसके कारण लगभग पांच दशक पहले उन्हे विधानसभा मे नेता प्रतिपक्ष का पद खोना पड़ा था और उनके दृढ़ संकल्प के कारण उन सभी लोगो की हार हुई जिन्होने उनके साथ विश्वासघात किया था। उन्होने कहा, 1980 के चुनाव मे, हमारी पार्टी से 58 लोग चुनाव जीते और मै विपक्ष का नेता बना। मै विदेश गया था और जब वापस आया तो मुझे एहसास हुआ कि मुख्यमंत्री एआर अंतुले साहब ने कोई चमत्कार कर दिया है और 58 मे से 52 विधायको ने पाला बदल लिया है। मैने विपक्ष के नेता का पद खो दिया। जनसभा को संबोधित करते हुए राकांपा(एसपी) प्रमुख ने कहा, मैने (उस समय) कुछ नही किया। मैने सिर्फ राज्य भर मे लोगो से संपर्क करना शुरू किया और तीन साल तक कड़ी मेहनत की।

फोटो: 4 पीएम

टला हादसा राजभवन के सामने बन रहे गेट पर वेल्डिंग के काम के दौरान आग लग गयी जिसे समय रहते फायरब्रिगेड के कर्मियों ने बुझा दिया, जिससे किसी जनधन का नुकसान होने से बच गया।

केंद्र सरकार को 'सुप्रीम' चेतावनी

शीर्ष कोर्ट का राष्ट्रपति से दो सप्ताह के भीतर विचार करने का अनुरोध

» कहा- पूर्व सीएम बेअंत सिंह के हत्यारे की दया याचिका पर फैसला लें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के राष्ट्रपति के सचिव को पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मौत की सजा पाए दोषी बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष विचार के लिए रखने का निर्देश दिया। यह तब हुआ जब सुनवाई में केंद्र की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ।

शीर्ष अदालत ने याचिका पर राष्ट्रपति से दो सप्ताह के भीतर विचार करने का अनुरोध किया है। इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से राजोआना की दया याचिका पर कार्रवाई करने को कहा था, जो 29 साल से जेल में है। अदालत ने यह देखते हुए कि सरकार को दया याचिकाओं पर विचार करते समय करुणा दिखानी चाहिए, पहले केंद्र को राजोआना की दया याचिका पर शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश दिया था। राजोआना को 2007 में एक ट्रायल कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी, लेकिन अन्य दोषियों के विपरीत, उसने उच्च न्यायालय या सुप्रीम कोर्ट में अपनी सजा को चुनौती नहीं देने का फैसला किया। एक संगठन द्वारा दायर उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर लगभग 12 वर्षों से फैसले का इंतजार किया जा रहा है। 27 सितंबर, 2019 को गृह मंत्रालय ने पंजाब के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर गुरु नानक की 550वीं जयंती मनाने के लिए कुछ कैदियों को विशेष छूट और रिहाई का सुझाव दिया, जिसमें राजोआना का नाम भी शामिल था। हालाँकि, उनके सह-अभियुक्तों की अपील सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने के कारण उनका नाम आगे नहीं बढ़ाया गया।

कैलाश गहलोत ने पकड़ा भाजपा का साथ

केजरीवाल बोले- कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र, आप का आरोप- भाजपा की पटकथा के मुताबिक बोल रहे गहलोत

» दिल्ली में गरमाई सियासत, कांग्रेस व बीजेपी ने आप को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता कैलाश गहलोत के इस्तीफे के बाद से दिल्ली सियासत में गर्माहट आ गई है। अगले साल होने वाले विस चुनाव से पहले गहलोत का इस्तीफा एक बड़ी घटना है। इसको लेकर भाजपा, कांग्रेस के निशाने पर आम आदमी पार्टी आ गई है।

हालांकि आप भी भाजपा पर पलटवार है। वहीं दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता कैलाश गहलोत आप से इस्तीफा देने के एक दिन बाद सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। वह केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, जय पांडा, दुष्यंत गौतम, हर्ष मल्होत्रा और अन्य भाजपा नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। पूरे मामले को लेकर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। केजरीवाल ने कहा कि वह स्वतंत्र हैं, वह जहां चाहें जा सकते हैं।

एजेंसियों के दबाव में गहलोत ने दिया इस्तीफा : संजय सिंह

आप ने भाजपा पर उसके नेताओ पर दबाव बनाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियो का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया कि गहलोत का इस्तीफा गंदी राजनीति और ईडी तथा सीबीआई द्वारा छापेमारी और जांच के लक्षित अभियान का परिणाम है। गहलोत ने आप छोड़ दी और दिल्ली मंत्रिमंडल से भी इस्तीफा दे दिया।

आम आदमी पार्टी अपने उद्देश्यों से भटकी : देवेंद्र

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कैलाश गहलोत के इस्तीफे पर कहा, कैलाश गहलोत के इस्तीफे से एक बात तो साबित हो गई है कि आम आदमी पार्टी जिस उद्देश्य से बनी थी, उससे जरूर भटक गई है। और वे अपनी प्राथमिकताओं से भटक गए हैं। केजरीवाल ने भ्रष्टाचार का शीशमहल बनाया था, इसकी पुष्टि कैलाश गहलोत ने भी की है।

कैलाश ने केजरीवाल को दिखाया आईना : सचदेवा

कैलाश गहलोत के इस्तीफे पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि उन्होंने बहुत साहसी कदम उठाया है और हम इसकी सराहना करते हैं। केजरीवाल पर निशाना साधते हुए सचदेवा ने कहा, कैलाश गहलोत ने अरविंद केजरीवाल को आईना दिखाया है और उनसे कहा है कि वह अरविंद केजरीवाल और उनके लुटेरा गिरोह का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। वहीं भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल का चाल-चलन है, दिल्ली के लोगों के जीवन को उन्होंने जिस तरह से नारकीय बनाया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।